UNIT – XII

औपनिवेशिक शहर : नगरीकरण, नगरयोजना तथा स्थापत्य

144. चॉल इमारतें क्या थीं? समझाइए।

(*What were Chowl buildings? Explain.*)

उत्तर—औपनिवेशिक काल में मुबई में अधिक-से-अधिक मजदुरों को रहने के लिए कम जगह में चॉल इमारतें बनाई जाती थी। चॉल इमारतें सामान्यत: चार मंजिला इमारतें होती थी। इसमें एक कमरे के घर होते थे। शौचालय के रूप में हर मंजिल पर कॉमन शौचालय होता था। ये इमारतें मुंबई की पहचान थी। आजकल इन इमारतों की जगह बहुमंजिला इमारतें बनने लगी हैं।

145. सिविल लाइन्स का विकास किस प्रकार हुआ?

(*How were civil lines developed?*)

उत्तर—औपनिवेशिक काल में ब्रिटिश अफसरों के आवासीय क्षेत्र को सिविल लाइन्स कहा जाता था। इस क्षेत्र में अंग्रेज अफसरों के लिए सारी सुख सुविधाओं का ध्यान रखा जाता था। यह एक रिजर्व क्षेत्र होता था। यहाँ सैनिकों का पहरा होता था। इस क्षेत्र में आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध होता था। इलाहाबाद, बरेली आदि शहरों में ऐसे क्षेत्र बसाये गए थे।

146. यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों ने भारत में नगरीकरण को क्यों बढ़ावा दिया? दो कारण बतायें। (*Why did European trading companies encouraged urbanisation in India ? Give two reasons.*) *[2020A]*

उत्तर—यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों ने भारत में नगरीकरण को बढ़ावा दिया। इसके दो कारण निम्न हैं :

(i) इंग्लैंड में निर्मित वस्तुओं का एक व्यापक बाजार मिल सके।

(ii) भारत में शहरी आबादी का एक ऐसा वर्ग तैयार किया जा सके, जो पश्चिमी शिक्षा, रहन-सहन, संस्कृति का अनुकरण कर सके।

147. 'धन निष्कासन' से आप क्या समझते हैं?

(*What do you understand by Drain of Wealth ?*)

उत्तर—ब्रिटिश आर्थिक नीतियों के परिणामस्वरूप भारत से बड़ी मात्रा में धन का निष्कासन हुआ। यह धन इंगलैंड विभिन्न रूपों में ले जाया गया। बंगाल में कंपनी शासन की स्थापना के पूर्व इंगलैण्ड का पर्याप्त धन व्यापार के माध्यम से भारत आता था, परन्तु 1757 ई० के पश्चात् भारत से ही धन इंगलैंड जाने लगा। भारत से ले जाये गये धन के बदले भारत को कुछ नहीं मिला। यही 'धन का निष्कासन' था। भारतीय इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब यहाँ के विदेशी शासक नियमित रूप से धन अपने देश ले गये। यह धन व्यापार के माध्यम से तो जाता ही था कंपनी के कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, उपहार के रूप में भी भारत से पर्याप्त धन इंगलैंड ले जाया गया।

148. कृषि का वाणिज्यिकरण से आप क्या समझते हैं? [2020A]
(Throw light on commericialization of agcriculture?)

उत्तर—कृषि का वाणिज्यिकरण का अर्थ होता था कृषि के लिए वैसे फसलों के उत्पादन पर जोर देना जो उद्योगों में कच्चा माल के रूप में प्रयोग होता है। अंग्रेजों ने भी भारतीय कृषि का वाणिज्यिकरण कर धान और गेहूँ की जगह कपास, नील, गन्ना, पटसन आदि फसलों के उत्पादन पर जोर दिया। इसमें उत्पादित वस्तुओं का मूल्य अंग्रेजी कंपनी अपने अनुसार तय करती थी। इससे भारत में बेरोजगारी, भूखमरी आदि समस्या उत्पन्न हुई।

149. कांग्रेस में उग्रवादियों की भूमिका का परीक्षण करें।
(Examine the role of extremists in congress.)

उत्तर—19वीं शताब्दी के अंतिम चरण और 20वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में उग्रवादी आन्दोलन का विकास हुआ। इस आन्दोलन का केन्द्र बंगाल था, यद्यपि भारत के अन्य भागों में यह आन्दोलन प्रभावशाली था। इस आन्दोलन में अधिकांश शिक्षित मध्यम वर्ग के युवा शामिल थे। इसमें महाराष्ट्र के चापेकर बंधु बंगाल के अरबिन्दु घोष, पंजाब के लाला लाजपत राय, लाला हरदयाल प्रमुख थे। इन्होंने अपने त्याग, बलिदान और देश प्रेम की भावना से भारतीयों में एक नई आशा और उत्साह का सृजन किया। उनका प्रभाव राष्ट्रीय आन्दोलन पर व्यापक रूप से पड़ा।

150. 1907 में काँग्रेस में विभाजन क्यों हुआ?
(Why did split take place in congress in 1907?)

उत्तर—1907 ई० में कांग्रेस का विभाजन गरम दल एवं नरम दल में हो गया। काँग्रेस में विभाजन का मुख्य कारण स्वदेशी आंदोलन के दौरान स्वराज्य, वॉयकॉट, स्वदेशी; राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रस्ताव पुरे भारत में नही लागू करना था। गरम दल के नेता इसे पूरे भारत में जबकि नरम दल के नेता इसे सिर्फ बंगाल में लागू करना चाहते थे। गरम दल के प्रमुख नेता लाल बाल, पाल थे जबकि नरम दल के नेता दादा भाई नौरोजी, रास बिहारी घोष आदि थे।

151. काँग्रेस की स्थापना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
(Write short notes on established of congress.)

उत्तर—काँग्रेस की स्थापना 1885 ई० में बंबई में हुई थी। इसके गठन में ए०ओ०ह्यूम की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसी कारण इन्हें काँग्रेस का पिता कहा जाता है। इसके पहले अध्यक्ष डब्ल्यू० सी० बनर्जी थे। शुरू में यह अनुनय-विनय की नीति पर चली। आगे चलकर इसके नेतृत्व में ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन चलाया गया।

152. स्वदेशी आंदोलन से आप क्या समझते हैं?
(What do you understand by the swadeshi movement?)

उत्तर—स्वदेशी आंदोलन 1905 ई० में बंगाल विभाजन के खिलाफ चलाया गया आंदोलन था। इसमें अंग्रेजी वस्तुओं के बहिष्कार एवं स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया गया था। गरम दल के नेता तिलक इसे पूरे देश में लागू करना चाहते थे। इस आंदोलन में किसान, छात्र, महिलाएँ आदि की महती भूमिका रही।